OleXPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

4 दिसंबर

1. भारत सरकार ने श्रेष्ठ योजना शुरू की:

भारत सरकार, अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए **श्रेष्ठ योजना** शुरू करने जा रही है।

यह योजना छात्रों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करेगी।

OleXPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

मुख्य विशेषताएं:

- यह योजना महापरिनिर्वाण दिवस पर शुरू की जानी है।
- यह योजना आजादी के अमृत महोत्सव का एक भाग है।
- यह योजना सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित की जाएगी।
- यह योजना अनुसूचित जाति के मेधावी छात्रों के लिए है। यह 9 से 12 तक के छात्रों के ड्रॉप आउट होने को नियंत्रित करने में भी मदद करेगा।
- यह योजना उच्च गुणवत्ता वाली आवासीय स्कूली शिक्षा प्रदान करेगी।

- योजना को लागू करने के लिए नीति आयोग ने आकांक्षी जिलों में प्रतिष्ठित गैर-सार्वजनिक आवासीय सुविधाओं को मान्यता दी है।
- भारत सरकार ने अनुमान लगाया है कि योजना के कार्यान्वयन के लिए 300 करोड़ रु. की आवश्यकता होगी।
- इस योजना से आगामी पांच वर्षों में 24,800 से अधिक छात्रों को सहायता मिलने की आशा है।

महापरिनिर्वाण दिवस के बारे में:

यह भारतीय संविधान के जनक डॉ. बी आर अंबेडकर की पुण्यतिथि है, इसे देश में महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह 6 दिसंबर को होता है। इसी दिन श्रेष्ठ योजना का शुभारंभ किया जाना है।

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में योजना:

यह योजना आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में शुरू की जानी है। यह स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत यह समारोह मार्च 2021 में प्रारंभ किया गया था और यह 15 अगस्त 2022 तक चलेगा।

2. IMF की पहली उप प्रबंध निदेशक बनीं गीता गोपीनाथ:

हाल ही में भारतीय अमेरिकी, गीता गोपीनाथ अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की पहली उप प्रबंध निदेशक बनी हैं। वह संगठन में शीर्ष भूमिका निभाने वाली पहली भारतीय हैं। प्रथम उप प्रबंध निदेशक, आईएमएफ में प्रबंध निदेशक के बाद दूसरा शीर्ष पद है।

आइए जानते हैं गीता गोपीनाथ के बारे में:

- गीता गोपीनाथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की पहली महिला मुख्य अर्थशास्त्री थीं।
- उनका जन्म 1971 में कोलकाता में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई पूरी की और वाशिंगटन विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर और प्रिंसटन विश्वविद्यालय में पीएचडी की।
- 2018 में, उन्हें आईएमएफ का मुख्य अर्थशास्त्री नियुक्त किया गया था।
- उन्होंने COVID-19 के कारण 2020 की विश्वव्यापी मंदी को "द ग्रेट लॉकडाउन" नाम दिया।
- 2021 में, उन्हें IMF की प्रथम उप प्रबंध निदेशक के रूप में नामित किया गया था। यह संगठन में दूसरे नंबर का पद है।

उनके द्वारा प्राप्त पुरस्कार:

उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया था। प्रवासी भारतीय सम्मान, प्रवासी भारतीय दिवस (9 जनवरी) पर प्रदान किया जाता है। यह प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।

आईएमएफ में उप प्रबंध निदेशक का पद:

IMF का प्रबंधन, प्रबंध निदेशक, प्रथम उप प्रबंध निदेशक और उप प्रबंध निदेशक द्वारा किया जाता है। आईएमएफ में प्रथम उप प्रबंध निदेशक निगरानी, प्रमुख प्रकाशन और अनुसंधान की देखरेख करने का नेतृत्व करता है।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

IMF में गीता गोपीनाथ की भूमिका:

सुश्री गोपीनाथ के नेतृत्व में, आईएमएफ ने विश्व आर्थिक आउटलुक के माध्यम से बहुपक्षीय निगरानी में योगदान दिया है। दुनिया को न्यूनतम मूल्य पर टीका लगवाकर COVID-19 संकट को समाप्त करने की उनकी योजना एक बड़ी सफलता थी।

आईएमएफ के बारे में:

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है, जिसका मुख्यालय वाशिंगटन, डीसी में है, जिसमें 190 देश शामिल हैं।

यह "वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देने, वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित करने, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने, उच्च रोजगार और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और दुनिया भर में गरीबी को कम करने के लिए काम करने" का दावा करता है।

इसका गठन 1944 में इसका गठन हुआ तथा 27 दिसंबर 1945 को कार्यान्वयन प्रारंभ हुआ था।

3. स्पेस एक्स ने पचास उपग्रह प्रक्षेपित किए:

हाल ही में, SpaceX ने पचास उपग्रहों को प्रक्षेपित किया। इन उपग्रहों को स्टारलिंक मेगा उपग्रह समूह में शामिल होना है। उपग्रहों को **फाल्कन 9 रॉकेट पर** प्रक्षेपित किया गया था।

प्रक्षेपण के मुख्य बिंदु:

स्पेसएक्स ने ब्लैकस्काई ग्लोबल नामक 48 स्टारलिंक उपग्रह और दो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह लॉन्च किए।

ब्लैकस्काई ग्लोबल, एक उपग्रह तारामंडल का निर्माण कर रहा है जो पृथ्वी के किसी भी भाग की छवियां प्रदान करने में सक्षम है। यह 60 उपग्रहों का समूह है।

इन उपग्रहों को फ्लोरिडा से प्रक्षेपित किया गया था। फ्लोरिडा यूएसए में स्थित है।

स्टारलिंक तारामंडल का उद्देश्य बड़े पैमाने पर पृथ्वी तक इंटरनेट की पहुंच प्रदान करना है। इसमें 1600 उपग्रह शामिल हैं।

स्टारलिंक क्या है?

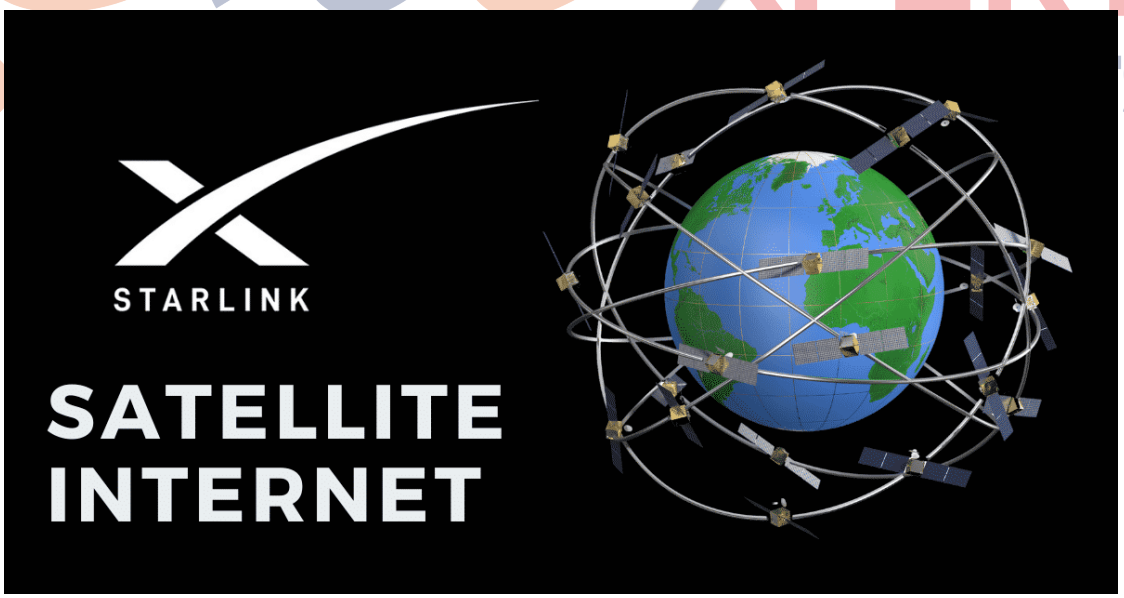

हाई-स्पीड इंटरनेट कवरेज प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स स्टारलिंक तारामंडल का निर्माण किया जा रहा है। दिसंबर 2021 तक, स्पेसएक्स ने

1,900 ब्रॉडबैंड उपग्रह लॉन्च किए हैं। यह 2021 में अकेला है। इसे 30,000 और उपग्रहों को लॉन्च करने की मंजूरी है।

इस प्रक्षेपण में विशेष क्या है?

यह प्रक्षेपण, स्टारलिंक उपग्रहों के उन्नत संस्करण को ले गया है। ये उपग्रह लेजर आधारित प्रणालियों से लैस हैं। ये सिस्टम उपग्रहों को कक्षा में और ग्राउंड स्टेशनों के साथ भी एक दूसरे के साथ संचार करने की अनुमति देते हैं।

लॉन्च में रैप्टर इंजन संकट:

लॉन्च से कुछ समय पहले स्पेसएक्स के सीईओ एलोन मस्क ने घोषणा की थी कि रैप्टर इंजन संकट के कारण कंपनी दिवालिया होने की स्थिति का सामना कर सकती है। रैप्टर स्पेसएक्स का एक विशाल इंजन है। इसका उपयोग स्पेसएक्स की अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम जिसे "स्टारशिप" कहा जाता है, को आगे बढ़ाने के लिए किया जाना है। स्टारशिप लोगों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए है।

रैप्टर इंजन में, मर्लिन 1D इंजन की शक्ति का दोगुना है। मर्लिन 1D इंजन का उपयोग Flacon 9 रॉकेट को शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है।

रैप्टर इंजन में प्रयुक्त प्रोपेलेंट तरल, मीथेन है।

रैप्टर इंजन संकट, स्पेसएक्स के बाद के प्रक्षेपणों को प्रभावित करने वाला है।

4. खगोलविदों ने खोजा अल्ट्रा शॉर्ट प्लेनेट GJ 367b:

हाल ही में, खगोलविदों ने GJ 367b, एक छोटा ग्रह पाया जो एक मंद लाल बौने तारे की परिक्रमा कर रहा है। यह तारा सूर्य से 31 प्रकाश वर्ष दूर है।

GJ 367b के मुख्य बिंदु:

GJ 367b एक चट्टानी ग्रह है। यह पृथ्वी के आकार का 70% है। और यह पृथ्वी के द्रव्यमान का 55% है। GJ 367b इसी के साथ अब तक के सबसे हल्के ज्ञात बाह्य ग्रहों में से एक बन गया है।

यह ग्रह 7.7 घंटे में अपनी परिक्रमा पूरी करता है। इसलिए इसे अल्ट्रा शॉर्ट पीरियड प्लेनेट कहा जाता है।

इस ग्रह पर लोहे की कोर की अधिकता है। इसका कारण है ग्रह के घनत्व का अधिक होना।

इस ग्रह का कोर अनुपातहीन रूप से काफी बड़ा है। कोर, लोहे और निकिल से बना हुआ है। ग्रह का यह विशेष गुण बुद्ध के समान है। साथ ही, बुद्ध का यही गुण इसे सौरमंडल के अन्य ग्रहों से अलग करता है।

TESS और **HARP** ने **GJ 367b** की पहचान करने में मदद की:

TESS ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट है। TESS द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा का उपयोग करके GJ 367b की पहचान की गई। TESS ने GJ 367b की सुपर शॉर्ट कक्षीय अवधि का खुलासा किया।

इसके अलावा, HARPS (हाई एक्यूरेसी रेडियल वेलोसिटी प्लैनेट सर्चर) ने शोधकर्ताओं को ग्रह के द्रव्यमान की गणना करने में मदद की। HARPS चिली में यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला में स्थित 3.6 मीटर दूरबीन पर स्थापित एक उपकरण है।

OleXPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

5. निजामुद्दीन बस्ती परियोजना को 2 यूनेस्को विरासत पुरस्कार मिले:

हाल ही में, यूनेस्को ने निजामुद्दीन बस्ती परियोजना को दो विरासत पुरस्कार प्रदान किए। इस परियोजना को इसके संरक्षण प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया था। इसे सतत पुरस्कार और उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

निजामुद्दीन बस्ती परियोजना क्या है?

इस परियोजना ने 14 वीं शताब्दी के सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया के आसपास स्थित 20 से अधिक ऐतिहासिक स्मारकों को बहाल किया।

निजामुद्दीन क्षेत्र में हुमायूं का मकबरा और बताशेवाला मकबरा और 16 वीं शताब्दी के कवि रहीम (खान खाना) का मकबरा है। इन क्षेत्रों को अलग कर दिया गया और क्षतिग्रस्त कर दिया गया। उन्हें निजामुद्दीन बस्ती परियोजना द्वारा भी नवीनीकृत किया गया था।

यह परियोजना 2007 में आगा कान ट्रस्ट फॉर कल्चर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दिल्ली शहरी विरासत फाउंडेशन और दिल्ली नगर निगम द्वारा शुरू की गई थी।

निजामुद्दीन बस्ती परियोजना के उद्देश्य क्या हैं?

निजामुद्दीन बस्ती परियोजना एक शहरी नवीकरण परियोजना है। इसने निजामुद्दीन बस्ती और इसके आसपास की 70 एकड़ की सात-सदी पुरानी बस्ती के अलग-अलग क्षेत्रों को सफलतापूर्वक एकीकृत किया।

यह इन क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास, संरक्षण और पर्यावरण विकास उद्देश्यों के एकीकरण के लिए है।

इसने तीन प्रमुख स्थलों अर्थात् सुंदर नर्सरी, निजामुद्दीन बस्ती और हुमायूँ मकबरे को एकीकृत किया।

हुमायूं के मकबरे के बारे में:

हुमायूँ के मकबरे को उनकी पहली पत्नी बेगा बेगम ने बनवाया था। इसे 1993 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। तब से, इसे इसके पुराने अस्तित्व में लाने प्रयत्न किया जा रहा है। मकबरे को "चार बाग" नामक तीस एकड़ के बगीचे के केंद्र में रखा गया है। अंतिम मुगल सम्राट, बहादुर शाह जफर को अंग्रेजों ने 1857 में हुमायूं के मकबरे में कैद कर लिया था।

6. दिव्यांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस:

International Day of Persons with Disabilities

3 DECEMBER

प्रत्येक वर्ष, संयुक्त राष्ट्र और दुनिया भर में फैले कई अन्य संगठन 3 दिसंबर को दिव्यांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं।

इस वर्ष, यह दिवस निम्नलिखित विषय के साथ मनाया गया:

विषय: "कोविड-19 के बाद की दुनिया में एक समावेशी, सुलभ और सततता की ओर विकलांग व्यक्तियों का नेतृत्व और भागीदारी"।

कार्यक्रम की पृष्ठभूमि:

दिव्यांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस पहली बार 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था।

OleXPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

इसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण और अधिकारों को बढ़ावा देना और सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की आवश्यकता क्यों है?

दुनिया में 1 अरब से अधिक दिव्यांग व्यक्ति हैं। इनमें से 80% विकासशील देशों में रहते हैं।

दुनिया में दिव्यांग व्यक्तियों में से 46%, 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

दिव्यांग व्यक्ति, COVID-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा उठाये गए कदम:

2006 में, दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन को अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र के अन्य प्रमुख ढांचे जिनमें एक प्रमुख भाग के रूप में दिव्यांग शामिल हैं, वे इस प्रकार हैं:

सतत विकास लक्ष्य के लिए 2030 एजेंडा:

- नया शहरी एजेंडा।
- वित्त विकास पर अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा।
- मानवीय कार्रवाई के साथ दिव्यांग व्यक्तियों को शामिल करने पर चार्टर।
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

सतत विकास लक्ष्य:

निम्नलिखित लक्ष्यों में दिव्यंगों को उनके एजेंडे में एक प्रमुख भाग के रूप में शामिल किया गया है:

लक्ष्य 4: शिक्षा की समावेशी और समान गुणवत्ता।

लक्ष्य 8: समावेशी, सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना। यह सभी पुरुषों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों को उत्पादक रोजगार प्रदान करके प्राप्त किया जाना है।

लक्ष्य 10: असमानता को कम करना।

लक्ष्य 11: मानव बस्तियों, शहरों को सुरक्षित, समावेशी और सतत बनाना।

लक्ष्य 17: सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी को मजबूत और पुनर्जीवित करना।

संयुक्त राष्ट्र दिव्यंगता समावेशन रणनीति:

इसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन, एसडीजी, मानवता के लिए एजेंडा और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन का समर्थन करना है। इसे जून 2019 में लॉन्च किया गया था।

7. अंजू बॉबी जॉर्ज ने जीता वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड:

हाल ही में, भारतीय एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज ने वर्ल्ड एथलेटिक्स से वूमन ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है। उन्होंने युवा लड़कियों को खेल के लिए तैयार करने के लिए पुरस्कार जीता है।

अंजू की उपलब्धियां क्या हैं?

- वह 2005 IAAF विश्व एथलेटिक्स फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता हैं।
- वह 2013 में पेरिस में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद में कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं।
- 2004 के ओलंपिक में, वह छठे स्थान पर रही।

अंजू को मिले पुरस्कार:

- अंजू को 2002 में अर्जुन पुरस्कार, 2004 में पद्मश्री, 2003 में खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।
- 2021 में, उन्होंने सर्वश्रेष्ठ एथलीट की श्रेणी में बीबीसी लाइफ़टाइम अचीवमेंट पुरस्कार जीता।

अंजू को वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड से क्यों सम्मानित किया गया है?

2016 में, उन्होंने युवा लड़कियों के लिए एक खेल अकादमी बनाई। इसके माध्यम से उन्होंने भारत को खेलों में आगे बढ़ने में सहायता की है और अधिक महिलाओं को भी उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रेरित किया है। उन्हें लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

आइए जानते हैं अंजू बॉबी जॉर्ज के बारे में:

- अंजू का जन्म केरल के कोट्टायम के चीरनचिरा गांव में हुआ था।
- उनका जन्म कोचुपराम्बिल परिवार, एक रूढ़िवादी परिवार में हुआ था।
- उन्होंने अपने पिता से एथलेटिक्स में रुचि विकसित की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हेप्टाथलॉन से की थी। बाद में उन्होंने दिल्ली

जूनियर एशियाई चैम्पियनशिप, दक्षिण एशियाई संघ खेलों (नेपाल में आयोजित), मैनचेस्टर में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते और बुसान में आयोजित एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने रॉबर्ट बॉबी जॉर्ज से विवाह किया है। जॉर्ज ट्रिपल जंप में पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और अंजू के कोच भी हैं। वर्तमान में, अंजू TOPS (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) की चेयरपर्सन हैं और खेलो इंडिया प्रोजेक्ट की कार्यकारी सदस्य भी हैं।

8. बांध सुरक्षा विधेयक:

हाल ही में, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 1 दिसंबर, 2021 को राज्यसभा में विधेयक पेश किया था। बाँध सुरक्षा विधेयक (2019), 2 अगस्त 2019 को लोकसभा द्वारा पारित किया गया था। चीन और यूएसए के बाद, भारत दुनिया का तीसरा सबसे अधिक बांध रखने वाला देश है।

इस विधेयक का उद्देश्य देश में बांधों का निरीक्षण, सर्वेक्षण, रखरखाव और संचालन करना है। क्योंकि अधिकतर बांध 100 साल से अधिक पुराने हैं।

मुख्य विशेषताएं:

- यह विधेयक दो राष्ट्रीय निकायों का गठन करता है। वे हैं, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा समिति और राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण।
- बांध सुरक्षा से सम्बंधित राष्ट्रीय समिति बांध सुरक्षा से संबंधित नीतियां बनाएगी और विनियमों की सिफारिश करेगी।
- राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण, राष्ट्रीय समिति द्वारा बनाई गई नीतियों को लागू करेगा। साथ ही, यह राज्य बांध सुरक्षा संगठनों को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।
- इन समितियों और प्राधिकरणों के कार्य राज्य स्तर पर प्रतिबंधित हैं और राष्ट्रीय समितियों और प्राधिकरणों के समान हैं।

संवैधानिक वैधता:

- राज्य सूची की प्रविष्टि 17 के अनुसार, राज्य सिंचाई, जलापूर्ति, नहरों, तटबंधों, जल निकासी, जल शक्ति और जल भंडारण पर कानून बनाने के योग्य हैं।
- संघ सूची की प्रविष्टि 56 के अनुसार, संसद को नदी घाटियों और अंतर्राज्यीय नदियों के नियमन पर कानून बनाने की अनुमति है।
- अनुच्छेद 252, संसद को राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने की अनुमति देता है यदि दो या दो से अधिक राज्य कानून की आवश्यकता वाले प्रस्ताव पारित करते हैं। इस मामले में पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश ने प्रस्ताव पारित कर बांध सुरक्षा पर कानून बनाने की मांग की है।

विधेयक में निकायों के कार्य:

राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण और राष्ट्रीय बांध सुरक्षा समिति के कार्य इस प्रकार हैं;

- राज्य बांध सुरक्षा संगठनों के बीच विवादों का समाधान करना।
- बांध की विफलता के संभावित प्रभाव का आकलन करना।
- बांध पुनर्वास कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण करना।

9. ग्रामीण विकास मंत्रालय ने फ्लिपकार्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हाल ही में, भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) और फ्लिपकार्ट ने दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रमुख विशेषताऐं:

मंत्रालय और फ्लिपकार्ट के बीच समझौता ज्ञापन स्थानीय व्यवसायों और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ई-कॉमर्स के दायरे में लाकर उन्हें सशक्त बनाने में सहायता करेगा।

यह साझेदारी, डीएवाई-एनआरएलएम के स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए ग्रामीण समुदायों की क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से की गयी है।

इस प्रकार, यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आत्म निर्भर भारत के दृष्टिकोण को और गति प्रदान करता है।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम के भाग के रूप में:

यह समझौता ज्ञापन, फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम का एक भाग है।

फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस का उपयोग करके बुनकरों, शिल्पकारों और कारीगरों के कुशल और कम सुविधा प्राप्त समुदायों को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह उन्हें ज्ञान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित सहायता भी प्रदान करेगा।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम ऑनबोर्डिंग, मार्केटिंग, बिजनेस इनसाइट्स, कैटलॉगिंग, अकाउंट मैनेजमेंट और वेयरहाउसिंग के साथ समयबद्ध प्रशिक्षण और समर्थन प्रदान करके स्थानीय समुदायों के लिए प्रवेश बाधाओं को तोड़ने का प्रयास करता है।

यह व्यापार और व्यापार समावेशन के अवसरों में वृद्धि करेगा और साथ ही बेहतर आजीविका के अवसरों को बनाने और उन्हें सतत बनाए रखने में सहायता करेगा।

डीएवाई-एनआरएलएम कार्यक्रम क्या है?

एनआरएलएम एक गरीबी उन्मूलन परियोजना है, जिसे ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। यह परियोजना ग्रामीण भारत में स्वरोजगार और गरीबों के संगठन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह गरीबों को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित करने और उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने का प्रयास करता है।

डीएवाई-एनआरएलएम की पृष्ठभूमि:

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 1999 में 'एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आईआरडीपी) का पुनर्गठन किया था और ग्रामीण गरीबों के मध्य स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई) शुरू की थी। SGSY को अब NRLM में परिवर्तित कर दिया गया है। एनआरएलएम को 2011 में 5.1 बिलियन डॉलर के बजट परिव्यय के साथ प्रारंभ किया गया था।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम क्या है?

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम को वर्ष 2019 में कम सुविधा प्राप्त घरेलू समुदायों और व्यवसायों को अवसर और आजीविका प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक स्थायी और समावेशी मंच के रूप में लॉन्च किया गया था। यह वर्तमान में भारत में 950000 से अधिक कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों की आजीविका का समर्थन कर रहा है।